

अधिविना, अधिवेतव्या, अधिवेद्या s. u. विद्, विन्दति mit अधि.

अधिवेदम् (von 1. अधि + वेद्) adv. in Bezug auf die Veda's ÇAT. Br. 14, 6, 3, 17.

अधिष्यण (von श्मि mit अधि) 1) n. das auf- das - Feuer - Setzen, Wärmen, Heissmachen KĀTJ. ÇA. 4, 15, 25. 6, 2, 5. 15, 7, 33. 25, 8, 9. KAUC. 45. — 2) f. णी Offen AK. 2, 9, 29. H. 1018.

अधिष्यणीय adj. mit dem अधिष्यण in Verbindung stehend KĀTJ. ÇA. 1, 1, 21.

अधिष्यतिर्वै (dat. von ण्त्तु und dieses von श्मि mit अधि) heisszu-machen: ययु तन् विन्देद्यत्पचेदपि गेरेव उग्धमधिष्यतिर्वै ब्रूयात् ÇAT. Br. 2, 3, 2, 8. KĀTJ. ÇA. 4, 3, 10.

अधिष्वण (von सु, सुनोति mit अधि) 1) adj. zum Pressen und Sethen (des Soma) dienend: अधिष्वणे फलके ÇAT. Br. 3, 3, 22. अधिष्वणे चर्माधिष्वणे फलके AIT. Br. 7, 33. अधिष्वणचर्म Nir. 2, 5. — 2) n. Presse, namentlich die zwei Theile der einfachsten Presse, Deckel und Trog, von welchen der letztere durchlöchert sein musste; sie heissen bei den Commentt. फलके, in den Liedern चम्बौ. Du. अधिष्वणे VS. 18, 21. ÇAT. Br. 3, 9, 4, 1. 14, 9, 4, 3. BṚH. ĀR. Up. 6, 4, 3. अग्रूनिव प्रावाधिष्वणे ऽधि-ग्व्यं उन्नुमे ऽधि नृत्य वेदः AV. 5, 20, 10. KĀTJ. ÇA. 8, 5, 25. 9, 4, 1. 22, 3, 12. — 3) n. = अधिष्वणं चर्म ÇAT. Br. 3, 5, 22. KĀTJ. ÇA. 8, 5, 26.

अधिष्ठार् (nom. ag. von स्या mit अधि) über Etwas stehend: 1) Auf-seher, Wächter: वृक्षेषामधिष्ठानात्किदादेव पश्यति AV. 4, 16, 1. कर्म कुर्वतामधिष्ठाना अधिकर्मकृत् MIT. 267, 6. — 2) Oberhaupt: जाम्बवान्यत्र नेताभूद्भ्यश्च वलेश्वरः ॥ कृन्मानप्यधिष्ठाना न तत्र गतिरन्यथा ॥ R. 5, 65, 10, 11. — 3) Beschützer: सर्वत्राश्रमे ऽधिष्ठान्त्री देवतास्ति (Schutzgöttin) Sch. zu ÇAK. 7, 10. COLEBR. Misc. Ess. I, 407.

अधिष्ठान (von स्या mit अधि) n. 1) Standort, Standpunkt, Platz, Ort, Sitz; in übertr. Bedeutung: Sitz, Gebiet, Element, = अध्यासन AK. 3, 4, 128. H. an. 4, 156. MED. n. 163. = अधि AK. 3, 4, 100. पदारेस्या अधिष्ठानम् AV. 12, 4, 5, 4, 23. Nir. 4, 15. VS. 7, 13, 18. किं स्विदासीदधिष्ठानंमार्मणं कतमस्त्विक्वासीत् RV. 10, 81, 2. यदयात्संपरित्यज्य स्वमधिष्ठानमुद्धमत ॥ कैलासे पर्वतश्रेष्ठमध्यास्ते नरावाहनः ॥ R. 3, 34, 5. नगरं राजाधिष्ठानम् eine Stadt, in der ein König seinen Wohnsitz aufgeschlagen hat, PAÑKĀT. 32, 21. परे च निर्धिष्ठानाः (ohne festen Standpunkt) साभिष्ठानाश्च यद्वयम् R. 5, 82, 12. कस्मिंश्चिदधिष्ठाने (Ort) PAÑKĀT. 10, 3. 43, 3. स्वावरं विषे दशाधिष्ठानम् (in der Wurzel, in den Blättern u. s. w.) SUÇR. 2, 231, 11. तदस्यामृतस्याशरीरस्यात्मनो ऽधिष्ठानम् (der Körper) KĀND. Up. 8, 12, 1. त्र्यधिष्ठानस्य (nach KULL. मनस्, वाच्, काय) देहिनः M. 12, 4. इन्द्रियाणि मनो बुद्धिरस्याधिष्ठानमुच्यते (des काम und क्रोध) BHAG. 3, 40. 18, 14. तदेकं (अव्यक्तं) ब्रह्मन् क्षेत्रज्ञानमधिष्ठानं समुद्र इवा-दकानां भावानाम् SUÇR. 1, 310, 5. रोगाधिष्ठानभेदादग्निर्म चतुर्थी भिद्यते 1, 36, 9. तस्मिन् (पुरुषे) क्रिया सो ऽधिष्ठानम् 1, 4, 2, 6. Vgl. धर्माधिष्ठान. — 2) hohe Stellung, Herrschaft, Macht (प्रभाव) AK. 3, 4, 128. H. an. 4, 156. MED. n. 63. यो मे वितरसि प्राणानधिष्ठानं च N. 26, 27. समर्थस्त्वमिमं जेतुमधिष्ठानपराक्रमैः R. 4, 14, 30. SĀMĀJAK. 17 (der Seele über den Körper); GAUDAPĀDA: येनैक — अष्टैर्युक्ता रयः साराधिनाधिष्ठितः प्रवर्तते त-थात्माधिष्ठानाच्छरीरम्. — 3) Stadt AK. 3, 4, 128. H. 972. an. 4, 156. MED. n. 163. — 4) Rad AK. H. an. MED.

अधिष्ठायक (von स्या mit अधि) adj. über Etwas stehend, bewachend, beaufsichtigend: तदधिष्ठायकाः सुराः (तद् = निधि) M. 193, Sch.

अधिस्त्री (von 1. अधि + स्त्री) adv. in Bezug auf das Weib P. 2, 1, 6, Sch.

अधिस्त्री (1. अधि + स्त्री) f. eine hochstehende, ausgezeichnete Frau ब्रह्मवादिन्यधिस्त्री च HARIV. 1719.

अधिरि (1. अधि + क्रि) adv. in Bezug auf Hari P. 1, 1, 41, Sch. 2 1, 6, Sch.

अधीकार (= अधिकार) m. Oberaufsicht, Verwaltung, mit dem loc.: सर्वकारेधधीकारः M. 11, 63.

अधीत s. u. इ mit अधि.

अधीति (von इ mit अधि) f. 1) Erinnerung, Verlangen: नू ते पूर्वस्या-वंसो अधीतो तूतीयं विद्वे मन्मं शंसि RV. 2, 4, 8. अधीतीरध्यगाद्यमधि जीवपुरा अगन् AV. 2, 9, 3. — 2) das Lesen GAṬĪDH. im ÇKDr.

अधीतिन् (von अधीत) gaṇa इष्टादि; adj. belesen, bewandert, vertraut, mit dem loc. P. 2, 3, 36, Vārt. 1. व्याकरणे Sch. वेदे Vop. 3, 33. प्रवचने साङ्गे AK. 2, 7, 9. H. 78. चतुर्धामायेषु DAÇAK. 140, 3.

अधीन (von 1. अधि) adj. f. आ untergeben, untergeordnet, abhängig von AK. 3, 1, 16. am Ende eines comp. P. 5, 4, 7. राजाधीन, ब्राह्मणा° Sch. तदधीन P. 5, 4, 54. तदधीना च नगरी R. 2, 72, 52. ग्रामाधीनो ग्राम-तन्तः AK. 2, 10, 9. दाराधीनस्तथा स्वर्गः M. 9, 28. ग्रहाधीना नरेन्द्राणामु-च्छ्रयाः पतनानि च JĀG. 1, 307. तदधीनं हि नः सीतायाः परिमार्गणम् R. 3, 78, 19. देवाधीन und भाग्याधीन ÇAK. 92, v. 1. तदधीना हि सिद्धयः RAGH. 1, 72. auch selbständig mit dem abl. (gen.?): राक्षो ऽधीनं करोति = राजसत्करोति P. 5, 4, 54, Sch. — Vgl. अध्यधीन, अनधीनक, पराधीन, स्वाधीन.

अधीनत्व (von अधीन) n. Abhängigkeit, Unterthanenschaft Vop. 7, 85.

अधीन्य m. = अधिमन्य SUÇR. 2, 93, 11. 232, 3. 303, 5. 314, 6. 321, 9.

अधीर (3. अ + धीर) 1) adj. f. आ a) nicht fest, beweglich (चञ्चल) HA- LĀJ. im ÇKDr. — b) ängstlich, kleinnüthig: भो ऽधीर (mit Elision des अ!) विश्रब्धो भूवा भक्ष्य त्वम् । तस्यागमनं दूरतो ऽपि तवाहं निवेदयिष्यामि PAÑKĀT. 232, 8. — c) verirrt (कातर) AK. 3, 1, 26. — d) unverständlich: धीरमधीरा धयति श्वसतम् RV. 1, 179, 4. अधीरो मर्याधीरेभ्यः संभ्रारा-चिन्त्या AV. 5, 31, 10. 11, 11, 22. — 2) f. ०रा. a) Blitz HĀR. 38. — b) eine besondere Art Heroine: मानावस्थायां मध्याग्रगल्भनायिकयोर्भेदः । त-स्या लक्षणमव्यङ्ग्यकोपप्रकाशत्वम् । मध्याधीरायाः परुषवाक्कोपप्रकाशिका । प्रौढाधीरायास्तर्जनाडनादिकं कोपप्रकाशकम् । सा द्विधा ऽप्येष्टा कनिष्ठा च । इति रसमञ्जरी । ÇKDr.

अधीरता (nom. abstr. von अधीर) f. Kleinmuth KATHĀS. 6, 21.

अधीवासं (von वस्, वस्ते mit अधि) m. Ueberwurf, Mantel: अधीवासं परि मातू रिकृन्नहं RV. 1, 140, 9. यदश्वाय वासं उपस्तृणान्त्यधीवासं यो कि-रपयान्यस्मै 162, 16. अधीवासं राक्षसी वावसाने 10, 5, 4. अध्याधीवासं प्रति-मुञ्चति ÇAT. Br. 5, 3, 3, 22. आस्तृणाति 4, 4, 3. KĀTJ. ÇA. 15, 5, 13. 7, 2. 20, 6, 10, 15. Wird im Padap. als ungetrenntes Wort behandelt, im VS. PRĪT. 3, 97. ist ई als Dehnung bezeichnet. — Vgl. 2. अधीवास.

अधीवासम् (1. अधि + वासम्) adv. über dem Kleide KĀTJ. ÇA. 2, 7, 1.

अधीश (1. अधि + ईश) m. Oberherr, Fürst, Gebieter HALĀJ. im ÇKDr. दिनाधीश der Gebieter des Tages, die Sonne PAÑKĀT. 1, 231; vgl. भव-नाधीश.